पाठ 19
अँधेरी रात के बाद

बहुत दिन पहले की बात है। रामपुर गाँव में लालू नाम का एक लुहार था, वह एक अच्छा कारीगर था। उसका नाम आसपास के गाँवों में मशहूर था। वह बड़ी लगन और निष्ठा से अपना काम करता था।

मुख्य रूप से वह हथियार बनाने का ही काम किया करता था। उसकी बनाई हुई बर्छियाँ, भाले और तलवारें लोग दूर-दूर से आकर ले जाया करते थे। तलवारें खरीदने के लिए तो कई बार उसकी दुकान पर भीड़ लग जाया करती थी।

कई बार तो उसे तलवार के बदले सोना-चाँदी और कीमती वस्त्र भी मिल जाते थे। हर आदमी लालू की तलवार अपने पास रखना चाहता था। यही कारण था कि लालू की दुकान खूब चलती थी। उसे रात और दिन काम करना पड़ता था।

पहले तो लोग स्वरक्षा के लिए ही हथियार रखते थे। लेकिन धीरे-धीरे समय बदलता गया। बदलते समय ने लोगों को लोभी और स्वार्थी बना दिया। लोग अब पराई मेहनत पर जीने के सपने देखने लगे। हर व्यक्ति अब सत्ताधारी बनना चाहता था।

एक दिन लालू के मन में आया कि वह बाहर निकल कर देखे कि लोग उसके द्वारा बनाई गई तलवार का उपयोग किस तरह करते हैं?

वेश बदलकर लालू एक दिन सुबह-सुबह घर से निकल पड़ा। गली में बच्चे खेल रहे थे। खेलते-खेलते दो बालक आपस में लड़ पड़े। शोर सुनकर लोग जमा होने लगे लालू ने देखा कि उन बच्चों के माँ-बाप भी आ गए और उनके हाथों में उसी की बनाई हुई तलवारें हैं। बच्चों की लड़ाई में तलवारें चमकने लगीं लालू यह देखकर दंग रह गया और वहाँ से आगे बढ़ गया।

अभी वह पनघट तक ही पहुँचा था कि उसने देखा कि जल्दी -जल्दी पानी भरने के कारण दो स्त्रियों में लड़ाई छिड़ गई। बातों की लड़ाई हाथापाई तक आ पहुँची और उसके बाद वह क्या देखता है कि उन स्त्रियों के पति अपने-अपने हाथों में तलवारें लेकर निकल पड़े हैं। यह दारुण दृश्य लालू से देखा नहीं गया और वह आगे बढ़ गया।

शिक्षण संकेत

- कहानी का आदर्श वाचन स्वयं करे तथा बच्चों से करवाएँ।
- कहानी में आए संवाद छात्रों से बुलवाकर अभिनय करवाएँ।
- इसी प्रकार की अन्य कहानी बच्चों को सुनाएँ।
- लोहे से बनी चीजें और उनका उपयोग छात्रों को बताएँ।
- कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

चलते-चलते उसे थकावट लगी, वह एक छायादार वृक्ष के नीचे बैठ गया। थोड़ी देर बाद उसने सोचा कि अब घर लौट चलना चाहिए। अभी वह उठ ही पाया था कि उसके सामने दो तलवारें तनी हुई थीं। ये तलवारें भी उसने बनाई थीं। लालू कुछ कहता कि एक जोरदार आवाज सुनाई पड़ी जो भी तुम्हारे पास है, चुपचाप निकाल कर हमें दे दो।'' लालू तो बेहोश होते-होते बचा। वह बोला मैं लालू लुहार हूँ। मेरे पास कुछ नहीं। विश्वास न हो तो मेरी तलाशी ले लीजिए।''

लालू के भाग्य अच्छे थे कि वह पहचान लिया गया और छोड़ दिया गया। घर लौटते समय उसे घोर पश्चाताप हो रहा था। उसके द्वारा बनाई गई तलवारों का लोग कैसा उपयोग करते हैं यह आज उसने अपनी ही आँखों से देख लिया था।

घर पहुँच कर लालू ने तत्काल निर्णय लिया कि आज से वह तलवार नहीं बनाएगा। नव निर्माण की ऐसी बहुत सी चीजे हैं जो वह बना सकता है। अब से वह सिर्फ हल के फाल बनाएगा। हँसिए भी खूब बिकेंगे। खेती बारी के काम में तो कुदाल और फावड़े भी जरूरी होते हैं, वह उनका निर्माण करेगा।

अब जब भी कोई तलवार लेने लालू के पास आता तो उसे निराश लौटना पड़ता था। धीरे-धीरे लालू ने देखा कि लोग अब अपनी पुरानी तलवारें तुड़वा कर खेती का सामान बनवाने लगे हैं। हर अँधेरी रात के बाद एक नई सुबह आती ही है।

▸ नारायण लाल परमार

नए शब्द

स्वरक्षा = स्वयं की रक्षा। **लोभी** = लालची। **सत्ताधारी** = शासन चलाने वाले, शासक। **वेश** = पोशाक, रूप, पहनावा। **दारूण** = भयानक। **तलाशी** = जाँच पड़ताल, ढूँढ़ने या खोजने की क्रिया। **पश्चाताप** = पछतावा, दुख। **नव निर्माण** = नया काम करना। **निराश** = हताश, दुखी होना।

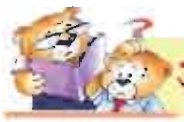

अनुभव विस्तार

कहानी से खोजो-

(क) सही जोड़ी बनाइए-

किसान – खेल

वीर – दुकान

दुकानदार – तलवार

खिलाड़ी – खेत

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. लुहार का नाम.....था।
2. लालू के गाँव का नाम.....था।
3. लालू को कई बार तलवार के बदले .....मिल जाते थे।
4. पहले तो लोग.....के लिए हथियार रखते थे।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए-

1. लालू कौन-सा हथियार बनाता था?
2. तलवार के स्थान पर लालू क्या बनाने लगा?
3. लुटेरों के रोकने पर लालू ने क्या कहा?

लघु उत्तरीय प्रश्न-

निर्देश- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच वाक्यों में लिखिए-

1. लालू कैसा कारीगर था?
2. लालू को अपने किए पर पछतावा कब हुआ?
3. लालू वेश बदलकर क्या देखने गया और क्यों?
4. ''हर अँधेरी रात के बाद एक नई सुबह आती है'' इस कथन का आशय क्या है?

भाषा की बात

1. पढ़िए, बोलिए और लिखिए-

निष्ठा	स्वरक्षा	सभ्यता	दृश्य	पश्चाताप
दारूण	तत्काल	सत्ताधारी	निर्णय	

2. निम्नलिखित शब्दों पर ध्यान दीजिए-

चलते-चलते घूमते-घूमते बार-बार

इस प्रकार के पुनरुक्त शब्द अपने पाठ में से छाँटकर लिखिए-

....

....

3. विलोम शब्द लिखिए-

दिन - .....

सुबह - .....

पराई - .....

विश्वास - .....

प्रश्न- निम्नलिखित शब्द अनेकार्थी हैं। इनके अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग करें।

पास	.....	जीना	.....
मन	.....	हल	.....

अब करने की बारी

1. अपने परिवेश में पाए जाने वाले कामगारों को काम करते हुए (उनके कार्यस्थल पर) देखिए।
2. खेती में काम आने वाले औजारों की सूची बनाइए।
3. हमारी क्षमताओं का उपयोग हम अच्छे कामों में करें। इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

निर्देश - सरल पंक्तियों का श्रुतलेखन कराएँ ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

— 0 —